RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
अप्रैल
08
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

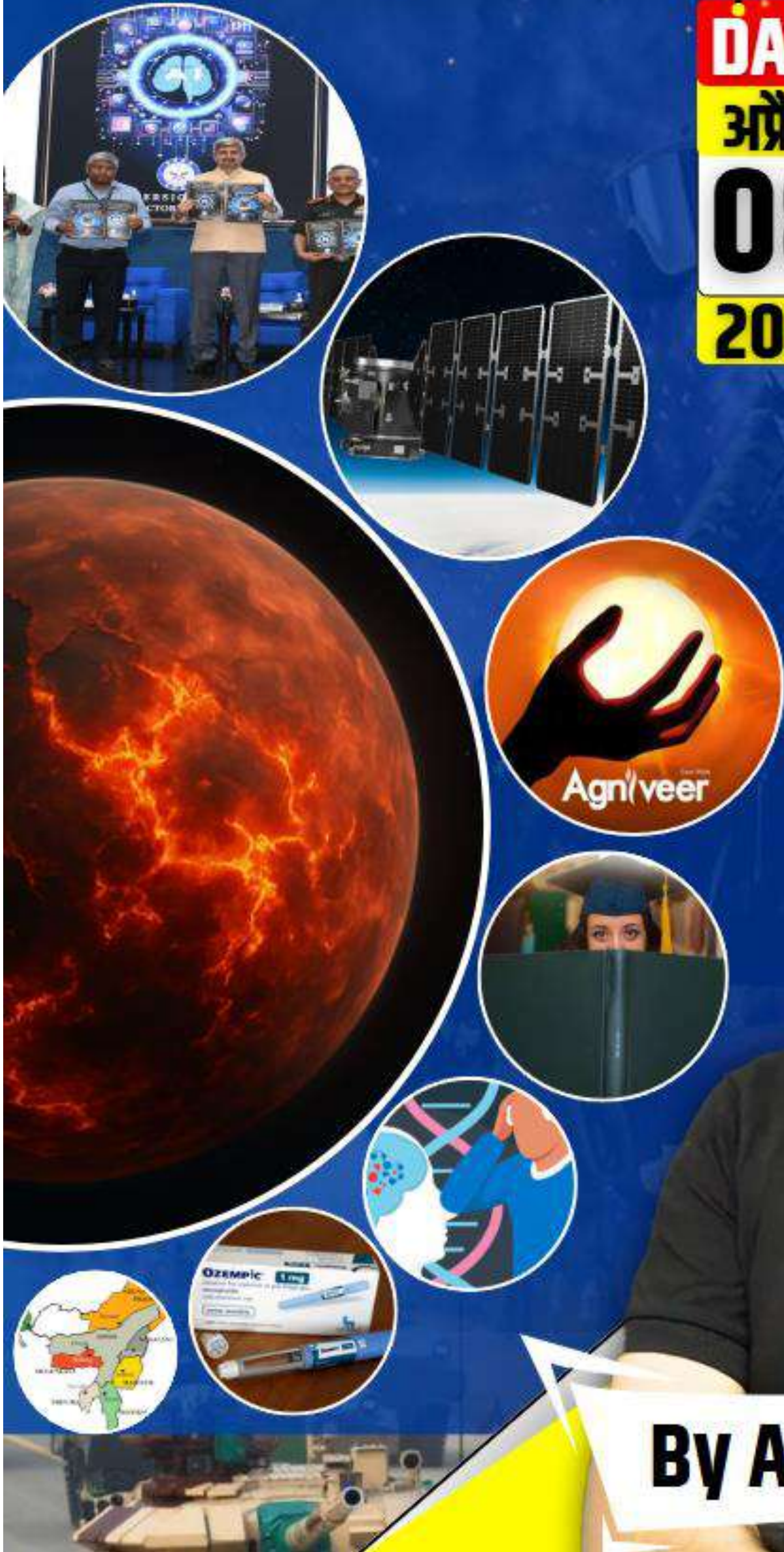

By Ankit Avasthi Sir

NITI NCAER राज्य आर्थिक मंच पोर्टल / NITI NCAER States Economic Forum Portal

संदर्भ:

केंद्रीय वित्त मंत्री ने **"NITI-NCAER States Economic Forum" पोर्टल** का शुभारंभ किया, जिसे नीति आयोग ने नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) के सहयोग से विकसित किया है।

NITI NCAER राज्य आर्थिक फोरम पोर्टल:

- **उद्देश्य**:
  यह पोर्टल भारतीय राज्यों से संबंधित पिछले 30 वर्षों (1990-91 से 2022-23) का व्यापक डाटा संग्रह प्रदान करता है।
- **मुख्य क्षेत्रों में शामिल हैं:**
  - **जनसांख्यिकी (Demography):** राज्यों की जनसंख्या से संबंधित जानकारी
  - **अर्थव्यवस्था (Economy):** राज्यों की आर्थिक प्रगति व आंकड़े
  - **राजकोषीय संकेतक (Fiscal Indicators):** राज्यों की आय, व्यय और वित्तीय स्थिति
  - **स्वास्थ्य (Health):** स्वास्थ्य सेवाओं व जनस्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े
  - **शिक्षा (Education)**: राज्यों की शैक्षणिक स्थिति और उपलब्ध संसाधन
  - **राज्य वित्त पर विशेषज्ञ शोध (Expert Research on State Finances):** राज्य सरकारों की वित्तीय रणनीतियों और नीतियों पर आधारित शोध
- **विकसित किया गया:**
  - NITI आयोग (NITI Aayog)
  - राष्ट्रीय व्यावहारिक आर्थिक अनुसंधान परिषद (National Council of Applied Economic Research - NCAER) के सहयोग से

पोर्टल के मुख्य घटक (Main Components of the Portal):

1. **राज्य रिपोर्ट्स (State Reports)**
   - 28 राज्यों की व्यापक **मैक्रो और राजकोषीय स्थिति** का सारांश देती हैं।
   - **जनसांख्यिकी, आर्थिक संरचना, सामाजिक-आर्थिक स्थिति**, और **राजकोषीय संकेतकों** को उजागर करती हैं।
2. **डेटा रिपॉजिटरी**
   - उपयोगकर्ताओं को एक **व्यापक डाटाबेस** तक सीधी पहुँच देती है।
   - डाटा को पाँच प्रमुख श्रेणियों में बाँटा गया है:
     - **जनसांख्यिकी**
     - **आर्थिक संरचना**
     - **राजकोषीय संकेतक**
     - **स्वास्थ्य**
     - **शिक्षा**
3. **राज्य राजकोषीय और आर्थिक डैशबोर्ड:**
   - महत्वपूर्ण आर्थिक संकेतकों को **ग्राफ़िकल रूप** में प्रस्तुत करता है।
   - **कच्चा डाटा (Raw Data)** और **सारणीबद्ध सारांश (Summary Tables)** तक त्वरित पहुँच प्रदान करता है।
4. **अनुसंधान और टिप्पणियाँ:**
   - **राज्य वित्त** पर गहराई से शोध प्रदान करता है।
   - **राजकोषीय नीति और वित्तीय प्रबंधन** के महत्वपूर्ण पहलुओं को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कवर करता है।

विशेषताएँ और महत्त्व:

1. **30 वर्षों का ऐतिहासिक डाटा:** वर्ष **1990-91 से 2022-23** तक के रुझानों का विस्तृत संग्रह उपलब्ध है।
2. **राज्यों के बीच तुलनात्मक विश्लेषण में सहायक:** यह पोर्टल **राज्यों के बीच तुलना (Benchmarking)** और **राष्ट्रीय औसत** के मुकाबले मूल्यांकन को आसान बनाता है।
3. **नीतिगत निर्णयों के लिए डाटा की उपलब्धता में सुधार:** यह प्लेटफ़ॉर्म **नीति निर्माण में डेटा अभिगम (Data Accessibility)** की कमी को दूर करता है।
4. **प्रमाण आधारित सुधारों के लिए उपयोगी:** यह पोर्टल **साक्ष्य आधारित सुधार** और **सार्वजनिक वित्त योजना** में गहरी समझ प्रदान करता है।

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम II / Vibrant Village Programme II

संदर्भ:

भारत सरकार ने हाल ही में **वाइब्रेंट विलेजेज़ प्रोग्राम (VVP)** के दूसरे चरण को मंज़ूरी दी है। इस पहल का उद्देश्य अं**तरराष्ट्रीय भूमि सीमाओं के पास स्थित रणनीतिक गांवों का समग्र विकास सुनिश्चित** करना है।

- दूसरे चरण के लिए कुल ₹6,839 करोड़ का वित्तीय आवंटन किया गया है। जहां पहले चरण में चीन सीमा के पास बसे गांवों पर ध्यान केंद्रित किया गया था, वहीं दूसरा चरण 2028-29 तक 15 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के चयनित गांवों में विस्तार करेगा।

उद्देश्य (Objectives):

1. **चयनित गाँवों का समग्र विकास**
   - **19 ज़िलों** के **46 ब्लॉकों** में आने वाले चयनित गाँवों का **संपूर्ण विकास** सुनिश्चित करना।
   - ये ज़िले **उत्तर भारत की सीमा पर स्थित हैं**, जैसे:
     - अरुणाचल प्रदेश
     - हिमाचल प्रदेश
     - सिक्किम
     - उत्तराखंड
     - केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख (UT Ladakh)
2. **सीमावर्ती गाँवों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार**: सीमावर्ती गाँवों में रहने वाले लोगों के **जीवन स्तर को बेहतर बनाना**।
3. **जनसंख्या के बाहर प्रवासन को रोकना**
   - **बाहरी प्रवास (Outmigration)** को रोकना ताकि लोग गाँवों में ही रहें।
   - इससे **सीमा सुरक्षा (Border Security)** को मजबूती मिलेगी।

Vibrant Villages Programme-II (VVP-II) के बारे में:

प्रकार (Type):

- **केंद्रीय क्षेत्र योजना (Central Sector Scheme)**
- **100% केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित**
  - (VVP-I के विपरीत, जो एक केंद्रीय प्रायोजित योजना थी)

दायरा (Coverage):

- 17 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की अंतरराष्ट्रीय भूमि सीमाओं (ILBs) पर स्थित रणनीतिक गाँव
- VVP-I (2023-24) के तहत आने वाले उत्तरी सीमा क्षेत्रों को छोड़कर

उद्देश्य (Objective):

- सीमावर्ती गाँवों में **जीवन की स्थिति में सुधार**
- **रोज़गार/जीविकोपार्जन के अवसर** प्रदान करना
- **सीमा पार अपराध** पर नियंत्रण
- स्थानीय जनसंख्या को **आंतरिक सुरक्षा के "आँख और कान"** के रूप में जोड़ना

VVP-II की प्रमुख विशेषताएँ:

1. **बुनियादी ढाँचे का विकास:**
   - सड़कें, आवास, स्वच्छता, पेयजल, SMART क्लासरूम जैसे कार्य
   - हर मौसम में चलने योग्य सड़क संपर्क – *प्रधान मंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY-IV)* के अंतर्गत
2. **मूल्य श्रृंखला और आजीविका विकास:**
   - सहकारी समितियाँ (Cooperatives), स्वयं सहायता समूह (SHGs), और सीमावर्ती गतिविधियाँ
   - स्थायी आजीविका के अवसर उत्पन्न करना
3. **कल्याणकारी योजनाओं का एकीकरण:**
   - चयनित गाँवों में सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन
   - संपूर्ण कवरेज सुनिश्चित करना – *एकीकरण मॉडल* के माध्यम से
4. **संस्कृति एवं पर्यटन का प्रचार:**
   - **मेलों, त्योहारों, जागरूकता शिविरों** और **राष्ट्रीय पर्वों** का आयोजन
   - **स्थानीय सांस्कृतिक धरोहर** और **पर्यटन** को बढ़ावा देना
5. **PM गति शक्ति:** परियोजना के **प्रभावी क्रियान्वयन** के लिए इसका उपयोग किया जाएगा

अग्निवीर / Agniveer

संदर्भ:

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की है कि **'अग्निवीरों'** को राज्य की पुलिस भर्ती में **20 प्रतिशत आरक्षण** दिया जाएगा। यह फैसला **'अग्निपथ योजना'** के तहत सेवा दे चुके युवाओं को पुनर्स्थापन और सम्मानजनक करियर विकल्प देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

- वर्ष 2023-24 में हरियाणा के **2,893 अग्निवीरों** को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में भर्ती किया गया, जबकि **2022-23** में यह संख्या **2,227** रही थी।

अग्निपथ योजना (Agnipath Scheme):

परिचय:

- **"अग्निवीर"** शब्द का अर्थ है **"अग्नि योद्धा"**, और यह एक **नई सैन्य रैंक** है।
- यह योजना भारतीय सशस्त्र बलों में **अधिकारी स्तर से नीचे (Non-Commissioned Ranks)** जैसे कि **सैनिक, एयरमैन, और नाविक** की भर्ती के लिए शुरू की गई है।
- भर्ती की अवधि **4 वर्ष** की होती है।
- 4 वर्षों के बाद, **25% तक अग्निवीरों** को **स्थायी सेवा** में शामिल किया जा सकता है (15 साल के लिए), यह **मेरिट और संगठन की आवश्यकता** पर निर्भर करेगा।
- वर्तमान में **सभी सैनिक, नाविक और एयरमैन (मेडिकल शाखा को छोड़कर)** इस योजना के अंतर्गत भर्ती किए जा रहे हैं।

उद्देश्य:

- सेना को युवा बनाए रखना।
- स्थायी सैनिकों की संख्या में कमी, ताकि सरकार पर पेंशन का वित्तीय बोझ घटे।

पात्रता (Eligibility Criteria):

- आयु सीमा: **17.5 वर्ष से 23 वर्ष** तक (पहले ऊपरी सीमा 21 वर्ष थी, बाद में बढ़ाई गई)।
- **लड़कियाँ** भी इस योजना के अंतर्गत आवेदन कर सकती हैं, लेकिन **कोई आरक्षण नहीं** है।

वेतन और लाभ:

1. **कर्तव्य के दौरान मृत्यु:**
   - **₹1 करोड़** का संयुक्त मुआवजा, जिसमें **सेवा निधि (Seva Nidhi)** और **बकाया वेतन** शामिल होता है।
2. **विकलांगता:**
   - यदि सेवा के दौरान या उसके कारण विकलांगता होती है तो **₹44 लाख तक का मुआवजा** दिया जाता है। यह **विकलांगता की गंभीरता** पर निर्भर करता है।
3. **पेंशन:**
   - सामान्य अग्निवीरों को **पेंशन नहीं दी जाएगी**।
   - केवल वे **25% अग्निवीर**, जो स्थायी कमीशन में चुने जाते हैं, उन्हें पेंशन का लाभ मिलेगा।

अग्निपथ योजना से जुड़ी प्रमुख समस्याएं:

1. **सेवानिवृत्ति लाभों की कमी-**
   - 4 साल की सेवा के बाद ₹11.71 लाख की एकमुश्त राशि दी जाती है, लेकिन **पेंशन या ग्रेच्युटी नहीं** मिलती।
   - इससे नौकरी की सुरक्षा और पेंशन की अपेक्षा रखने वाले युवाओं में **असंतोष** फैला है।
2. **कम सेवा अवधि-**
   - केवल **4 साल** की सेवा अवधि को **अपर्याप्त** माना जा रहा है।
   - इससे दीर्घकालिक प्रशिक्षण, अनुभव और समर्पण की **कमी हो सकती है**।
3. **आयु सीमा की समस्या-**
   - अधिकतम आयु सीमा **23 वर्ष** तय की गई है।
   - महामारी के दौरान भर्ती न होने के कारण कई युवा **योग्यता से बाहर** हो गए।
4. **बेरोजगारी की चिंता-**
   - सिर्फ **25% अग्निवीरों** को स्थायी नियुक्ति मिलती है।
   - इससे बाकी 75% को सेवा के बाद **नौकरी की अनिश्चितता** का सामना करना पड़ता है।
   - यह पहले से ही **ऊंची युवा बेरोजगारी दर** को और बढ़ा सकता है।
5. **राजनीतिक उद्देश्य का संदेह-**
   - योजना को **जल्दबाज़ी में लागू** किया गया, बिना पर्याप्त विमर्श के।
   - चुनाव से पहले इसे **राजनीतिक कदम** माना जा रहा है, और रक्षा बलों की **स्पष्ट स्वीकृति नहीं** मिली है।
6. **पेंशन खर्च में कटौती का प्रयास-**
   - योजना को सरकार के **पेंशन बिल कम करने** के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।
   - इससे **लंबी अवधि की सैन्य क्षमता निर्माण** पर प्रभाव पड़ सकता है।

UGC's, विदेशी डिग्रियों की मान्यता के लिए नए नियम / UGC's new rules for recognition of foreign degrees

संदर्भ:

यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) ने विदेशी संस्थानों से प्राप्त शैक्षणिक योग्यताओं को मान्यता देने और उनके समकक्षता निर्धारण की प्रक्रिया को आसान और सुव्यवस्थित करने के लिए **नए विनियमों** की घोषणा की है।

पृष्ठभूमि (Background):

- यह कदम **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** के उद्देश्यों के अनुरूप है।
- इसका उद्देश्य भारत को **वैश्विक शिक्षा केंद्र (global education hub)** बनाना है।
- आजकल कई भारतीय छात्र **अंतरराष्ट्रीय डिग्रियों** के साथ लौट रहे हैं, लेकिन उन्हें इन डिग्रियों की **मान्यता (recognition)** में देरी का सामना करना पड़ता है।
- नए नियम इस प्रक्रिया को **सरल और पारदर्शी** बनाने के लिए बनाए गए हैं।

नियमों की मुख्य विशेषताएँ (Key Features of the Regulations)

- एक **पारदर्शी समतुल्यता प्रक्रिया** (transparent equivalence process) पर ज़ोर दिया गया है।
- मूल्यांकन के मानदंडों में शामिल हैं:
  - संस्थान की **वैधता (legitimacy)**
  - कोर्स की **अवधि (duration)**
  - डिग्री का **स्तर (level of qualification)**
- इसके लिए एक **Standing Committee on Equivalence** गठित की गई है जो संस्थानों और डिग्रियों का मूल्यांकन करेगी।

किन डिग्रियों को इसमें शामिल नहीं किया गया ?

- कुछ **पेशेवर डिग्रियाँ (professional degrees)** इन नियमों के दायरे से बाहर हैं:
  - **मेडिकल, फार्मेसी, नर्सिंग, कानून (Law), आर्किटेक्चर**
- इन क्षेत्रों के लिए भारत की **Statutory Regulatory Councils** द्वारा बनाए गए अलग नियम लागू होंगे।

आवेदन प्रक्रिया (Application Process):

- आवेदन **ऑनलाइन पोर्टल** के माध्यम से किए जा सकते हैं।
- आवश्यक **दस्तावेज़** और **फीस** जमा करनी होगी।
- Standing Committee प्रत्येक आवेदन को **10 कार्य दिवस** के भीतर जांचेगी।
- **UGC द्वारा अंतिम निर्णय** 15 कार्य दिवसों के भीतर दिया जाएगा।

मान्यता के मानदंड (Criteria for Recognition):

- डिग्री उसी संस्थान से होनी चाहिए जो अपने देश में **मान्य (recognised)** हो।
- पाठ्यक्रम की संरचना भारत में समान डिग्री के अनुरूप होनी चाहिए।
- **अमान्य संस्थानों या कार्यक्रमों** से प्राप्त डिग्रियों को मान्यता नहीं दी जाएगी।

पुनरीक्षण प्रक्रिया:

- यदि कोई आवेदन **अस्वीकृत (rejected)** होता है तो आवेदक **30 कार्य दिवसों** के भीतर पुनरीक्षण के लिए अनुरोध कर सकता है।
- एक **Review Committee** उस आवेदन की दोबारा जांच करेगी।
- UGC इस समिति की सिफारिशों के आधार पर **अंतिम निर्णय** देगा।

भारतीय शिक्षा पर प्रभाव:

1. **वैश्विक अवसरों में वृद्धि:** ये नियम भारतीय छात्रों को विदेशों में पढ़ाई और काम के लिए **आसान मार्ग** प्रदान करेंगे।
2. **शैक्षणिक विविधता में वृद्धि:** विदेशी डिग्रियों की मान्यता से **विभिन्न देशों के दृष्टिकोण और विशेषज्ञता** भारत के शैक्षिक माहौल में शामिल होंगे।
3. **शिक्षा यात्रा की पहचान (Recognition of Educational Journeys):** UGC अब छात्रों की **विविध शैक्षणिक पृष्ठभूमियों** को मान्यता देगा, जिससे उन्हें आगे बढ़ने में सुविधा मिलेगी।
4. **भारत को शैक्षिक केंद्र बनाने की दिशा में कदम:** यह पहल भारत को एक **वैश्विक शैक्षणिक केंद्र** के रूप में स्थापित करने की दिशा में मदद करेगी।

डिमेंशिया / Dementia

संदर्भ:

वेल्स में किए गए एक नए विश्लेषण में पाया गया कि शिंगल्स वैक्सीन ने डिमेंशिया के नए मामलों में 20% तक कमी की है – जो अब तक के किसी भी ज्ञात उपाय से अधिक प्रभावी साबित हुआ है।

डिमेंशिया:

- डिमेंशिया एक **सामान्य शब्द** है, जो **स्मृति (memory), सोचने (thinking)** और **समझने (reasoning)** की क्षमताओं में कमी को दर्शाता है, जिससे **दैनिक जीवन प्रभावित** होता है।
- यह **मस्तिष्क से जुड़ी बीमारियों** के कारण होता है और यह **बुढ़ापे का सामान्य हिस्सा नहीं** है।

डिमेंशिया के प्रकार (Types of Dementia)

1. अल्ज़ाइमर रोग:
2. वास्कुलर डिमेंशिया:
3. फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया
4. ल्यूवी बॉडी डिमेंशिया
5. मिक्स्ड डिमेंशिया

लक्षण (Symptoms of Dementia)

- हाल की घटनाओं को भूलना
- बोलने या दूसरों को समझने में कठिनाई
- कामों की योजना और संगठन में परेशानी
- व्यवहार और व्यक्तित्व में बदलाव
- दृष्टि और स्थान की समझ में कमी
- मूड में बदलाव और भावनात्मक प्रतिक्रिया

निदान और उपचार (Diagnosis and Treatment)

निदान (Diagnosis):

- डॉक्टर **स्मृति और संज्ञानात्मक कार्यों** की जांच कर के इसका निदान करते हैं।
- इसमें मनोवैज्ञानिक परीक्षण, ब्रेन स्कैन आदि शामिल हो सकते हैं।

उपचार (Treatment):

- डिमेंशिया का **कोई स्थायी इलाज नहीं** है।
- लेकिन **इलाज से लक्षणों को नियंत्रित** किया जा सकता है और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

अहेतुल्ला लॉगिरोस्ट्रिस / Ahaetulla longirostris

संदर्भ:

उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिज़र्व में दुर्लभ लॉन्ग-स्नाउटेड वाइन स्नेक (Ahaetulla longirostris) को दोबारा खोजा गया है। यह राज्य में इस प्रजाति की **पहली दर्ज साक्ष्य आधारित उपस्थिति** है और पूरे भारत में अब तक का **सिर्फ दूसरा रिकॉर्डेड मामला** है। यह खोज पलिया डिवीजन में **गैंडे की पुनर्वास प्रक्रिया** के दौरान हुई।

लॉन्ग-स्नाउटेड वाइन स्नेक (Ahaetulla longirostris):

परिचय (Introduction): यह **Colubridae परिवार** से संबंधित है, जिसमें अधिकतर **अविषैले या कम विषैले साँप** होते हैं।

मुख्य विशेषताएँ (Key Features):

1. **शरीर की बनावट (Body Structure):**
   - लंबा और पतला शरीर होता है।
   - आमतौर पर **चमकीला हरा या भूरा रंग**, जिससे यह **पेड़ों की पत्तियों में आसानी से छिप सकता है** (camouflage)।
2. **विशिष्ट थूथन:** इसका **थूथन लम्बा और नुकीला होता है** , जो इसे अन्य वाइन स्नेक्स से अलग बनाता है।
3. **आवास (Habitat):**
   - यह एक arboreal species (वृक्षों पर रहने वाला प्राणी) है।
   - पेड़ों की शाखाओं और पत्तियों के बीच आसानी से मिल जाता है।
4. **विषाक्तता (Venom):**
   - यह **हल्का विषैला (mildly venomous)** होता है।
   - लेकिन **मनुष्यों के लिए खतरनाक नहीं** होता।

दुधवा टाइगर रिज़र्व (Dudhwa Tiger Reserve):

स्थान: यह **उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले** में **भारत-नेपाल सीमा** पर स्थित है।

अंतर्गत क्षेत्र (Constituent Areas):

- दुधवा टाइगर रिज़र्व में निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:

1. दुधवा नेशनल पार्क
2. किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
3. कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य
4. उत्तर खीरी, दक्षिण खीरी और शाहजहाँपुर के वन क्षेत्र

भू-प्राकृतिक क्षेत्र: यह रिज़र्व **ऊपरी गंगा के मैदानी इलाके (Plains)** के **तराई-भाबर क्षेत्र (Tarai-Bhabar zone)** में आता है।

सेमाग्लूटाइड / Semaglutide

संदर्भ:

हाल ही में हुई एक अध्ययन में पाया गया कि **ओरल सेमाग्लूटाइड (Rybelsus)** दवा हार्ट अटैक, स्ट्रोक और हृदय संबंधी मृत्यु के जोखिम को **14% तक घटाती है**। यह टाइप-2 डायबिटीज़ के मरीजों के लिए एक महत्वपूर्ण चिकित्सकीय उपलब्धि मानी जा रही है।

क्या है सेमाग्लूटाइड?

- यह एक **एंटी-डायबिटिक दवा (Anti-diabetic medication)** है।
- इसका उपयोग **Type 2 Diabetes** के इलाज और **लंबे समय तक वजन प्रबंधन (Weight Management)** के लिए किया जाता है।

कार्यप्रणाली (How it works):

- यह **GLP-1 (Glucagon-like Peptide-1)** हार्मोन के समान एक **पेप्टाइड** है।
- **GLP-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट** के रूप में कार्य करता है, जो इंसुलिन की संवेदनशीलता बढ़ाता है और भूख को कम करता है।

प्रयोग के तरीके (Administration):

- इसे **त्वचा के नीचे इंजेक्शन (Subcutaneous injection)** के रूप में या **मुँह के जरिए (Oral)** लिया जा सकता है।

प्रमुख दुष्प्रभाव (Common Side Effects):

- मतली (Nausea)
- उल्टी (Vomiting)
- दस्त (Diarrhea)
- पेट दर्द (Abdominal pain)
- कब्ज (Constipation)

अन्य जानकारी:

- अमेरिका में **2017 में स्वीकृति (FDA approval)** मिली।
- **2022 में अमेरिका की 48वीं सबसे ज्यादा प्रिस्क्राइब की जाने वाली दवा** बनी, जिसके **13 मिलियन से ज्यादा प्रिस्क्रिप्शन** हुए।

हैडियन प्रोटोक्रस्ट / Hadean Protocrust

संदर्भ:

एक नए अध्ययन ने इस धारणा पर सवाल उठाया है कि हैडियन प्रोटोक्रस्ट के बाद पृथ्वी की रासायनिक संरचनाएं केवल सबडक्शन प्रक्रिया शुरू होने के बाद ही उत्पन्न हुईं।

हैडियन प्रोटोक्रस्ट (Hadean Protocrust):

परिभाषा (Definition):

- **हैडियन प्रोटोक्रस्ट** पृथ्वी की सबसे प्रारंभिक भू-पर्पटी (Earth's earliest crust) को कहते हैं।
- यह पृथ्वी की सबसे ऊपरी ठोस परत थी, जो **Hadean aeon** में बनी थी।

समय काल (Time Period):

- यह काल **लगभग 4.6 अरब वर्ष पहले** शुरू हुआ था।
- यह पृथ्वी का **सबसे पहला भूवैज्ञानिक युग** था।

मुख्य विशेषताएँ (Key Features):

1. **पृथ्वी का प्रारंभिक रूप:** यह समय पृथ्वी के बनने के तुरंत बाद का था, जब इसका अधिकांश हिस्सा पिघला हुआ (molten) था।
2. **बाहरी आक्रमण:** पृथ्वी की सतह पर लगातार ज्वालामुखीय विस्फोट और अंतरिक्षीय पिंडों की बमबारी (होती रही, जिससे इसकी सतह बनी और बिगड़ी।
3. **पर्यावरण की स्थिति:** सतह अत्यंत गर्म, जहरीली गैसों से भरी हुई थी और तरल जल बहुत कम या न के बराबर था।
4. **पर्पटी का निर्माण:** जैसे-जैसे पृथ्वी ठंडी हुई, कुछ मोटे हिस्से ठोस होकर प्राथमिक महाद्वीप (proto-continents) बने, जो नीचे की asthenospheric mantle पर तैरने लगे।

प्लेट विवर्तनिकी की शुरुआत: समय के साथ ये पर्पटी प्लेटें एक-दूसरे से टकराईं, एक के नीचे गईं (subduction) या एक-दूसरे के पास से फिसलीं – जिससे प्लेट विवर्तनिकी की प्रक्रिया शुरू हुई।

रासायनिक संकेत: इन गतियों से पर्पटी में विशेष रासायनिक चिह्न बने, जिन्हें देखकर वैज्ञानिक प्लेटों की गतियों का इतिहास समझते हैं।

नई खोज:

- पहले माना जाता था कि ये रासायनिक संकेत **subduction** की प्रक्रिया शुरू होने के बाद ही बने होंगे।
- लेकिन हालिया शोध में दावा किया गया है कि **ये संकेत Hadean Protocrust में भी मौजूद थे**, यानी subduction शुरू होने से पहले ही।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"
SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL
ANKIT AVASTHI
Video will be upload soon !
ANKIT AVASTHI

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)

299/- YEAR

- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RO/ARO
(TEST SERIES)

ONLY 299/- YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

BPSC
(TEST SERIES)

ONLY 299 YEAR

- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

SSC (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

RPF (TEST SERIES)

ONLY 99/- YEAR

- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 | Apni.Pathshala | kaankit | AnkitAvasthiSir | Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala 7878158882
Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

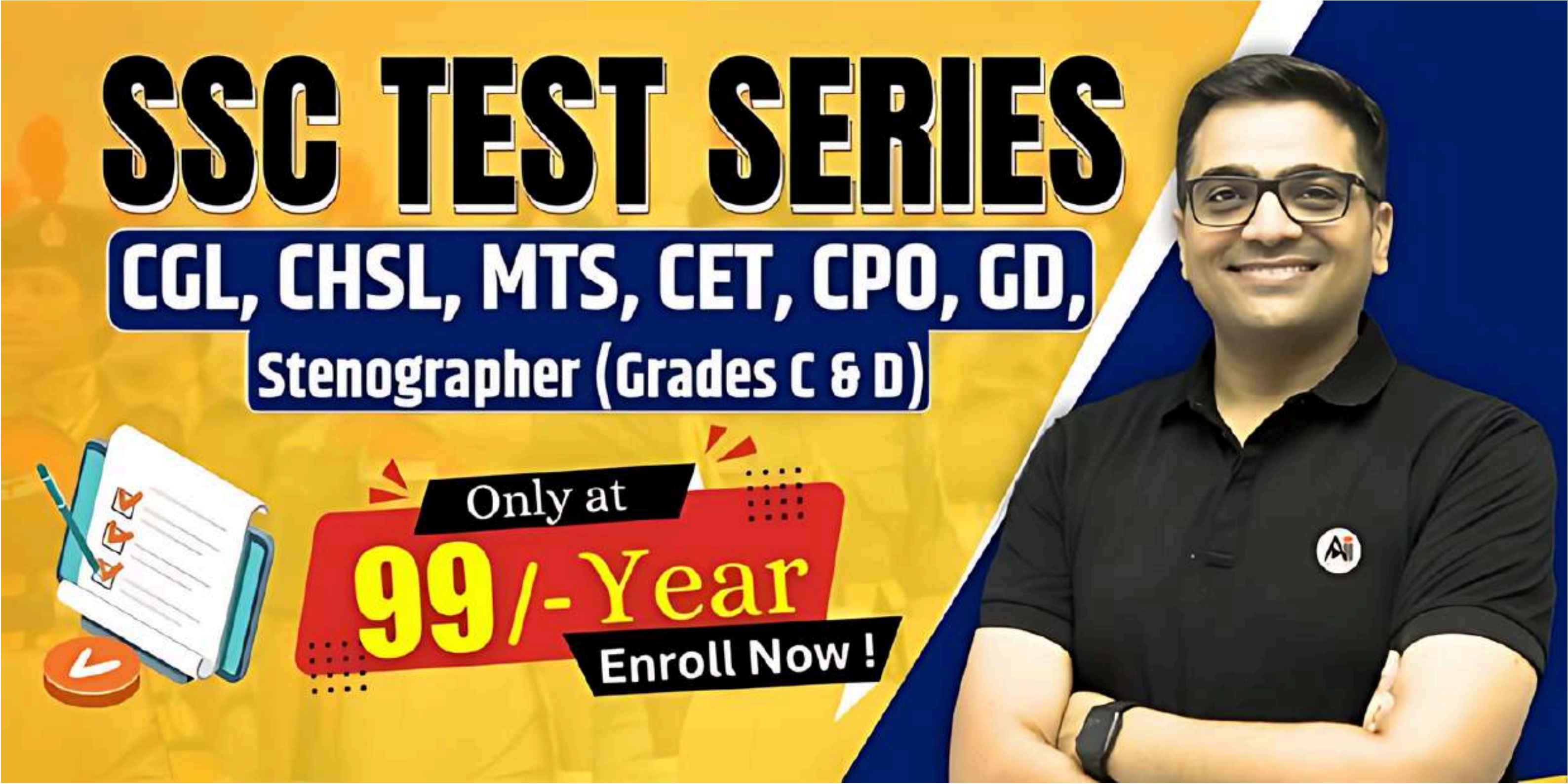
SSC TEST SERIES
CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,
Stenographer (Grades C & D)
Only at
99/-Year
Enroll Now !